



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 26 मई, 2004/5 ज्येष्ठ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

हमीरपुर, 17 मई, 2004

संख्या पीसीएन-एचएमआर (5) 7/2003-2228-34.—यह कि श्री राम रखा प्रधान, ग्राम पंचायत जाहू, विकास खण्ड भोरंज को उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच के आधार पर पृष्ठांकन सं० 699-705, दिनांक 23-2-2004 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था जिसमें संलग्न आरोप सूची बारे उसे अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु 15 दिन का समय दिया गया था। प्रधान से प्राप्त उत्तर, जो खण्ड विकास अधिकारी भोरंज के माध्यम से उनकी टिप्पणियों सहित प्राप्त हुआ है, की समीक्षा करने पर सन्तोषजनक नहीं पाया गया और उसके विरुद्ध लगाये गये निम्नलिखित सभी आरोप प्रमाणित होते हैं :—

1. ग्राम पंचायत जाहू ने प्रस्ताव सं० 1, दिनांक 4-2-2001 पारित करके गुजरात में ग्राम भूकम्प के पीड़ितों के सहायतार्थ राशि एकत्रित करने हेतु रसीद बुकें छपवाने का निर्णय लिया। प्रस्ताव

में दर्ज विवरण अनुसार 10 रसीद बुकों छपवानी थी। परन्तु छपवाई गई रसीद बुकों स्टॉक दर्ज न कराई गई जिसके लिये मुख्य रूप से प्रधान श्री राम रखा उत्तरदायी है।

2. उक्त छपवाई गई रसीद बुकों को पंचायत सदस्यों लोगों से राशि एकत्रित करने हेतु दिया गया। परन्तु इसका कोई रिकार्ड न रखा गया जबकि रिकार्ड रखना अनिवार्य था। इन रसीद बुकों में 8 रसीद बुकों में एकत्रित राशि, जो मु० 3,910/- रुपये बनती है, सम्बन्धित सदस्यों ने प्रधान श्री राम रखा के पास लगभग तीन वर्ष पूर्व जमा करवा दी थी। परन्तु प्रधान ने इस राशि को न तो सम्बन्धित विभाग को भेजा और न ही इस राशि को पंचायत लेखा में जमा किया। इस तरह प्रधान ने लोगों से प्राप्त राशि को निजी प्रयोग में लाकर इसका दुरुपयोग किया है।
3. श्री धनी राम व सर्वजित सदस्यों के पास दी गई रसीद बुकों व राशि प्राप्ति हेतु कोई कार्यवाही न करना। जबकि प्रधान होने के नाते यह उनका कर्तव्य था।

और क्योंकि श्री राम रखा, प्रधान, ग्राम पंचायत जाहू के विरुद्ध उक्त आरोपों पर निष्पक्ष रूप से आगामी कार्यवाही करने के लिये उन्हें उनके पद से निलम्बित करना अनिवार्य है।

अतः मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (बी) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री राम रखा, प्रधान, ग्राम पंचायत जाहू, विकास खण्ड भोरन्ज को उनके पद से तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ तथा उन्हें यह आदेश देता हूँ कि वह अपने पद का कार्यभार तुरन्त उप-प्रधान, ग्राम पंचायत जाहू को सौंप दें तथा यदि उनके पास कोई ग्राम पंचायत की सम्पत्ति या धनराशि हो तो उसे तत्काल सचिव, पंचायत जाहू को सौंप दें।

हमीरपुर, 17 मई, 2004

संख्या पी० सी० एन०-एच० एम० आर०-अंके० (6) 64/87 2235-41.--यह कि श्रीमती सलोचना देवी प्रधान, ग्राम पंचायत अन्धार, विकास खण्ड भोरन्ज को अवधि 1-4-2001 से 31-3-2004 के अंकेक्षण पत्र में उद्धृत गम्भीर आपत्तियों तथा इस बारे तलब रिकार्ड की जांच के आधार पर पत्र संख्या 513-17 दिनांक 1-3-2004 द्वारा कारण बताओ नोटिस आरोप सूची सहित जारी किया गया था। आरोप सूची में दर्ज आरोपों वारे उक्त प्रधान से प्राप्त उत्तर, जोकि खण्ड विकास अधिकारी, भोरन्ज के माध्यम से उनकी टिप्पणियों सहित प्राप्त हुआ है, की समीक्षा करने पर सन्तोषजनक नहीं पाया गया और प्रधान के विरुद्ध अंकेक्षण पत्र में उद्धृत निम्नलिखित वित्तीय अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं :--

1. अंकेक्षण पैरा सं० 2 (ख) 7 अनुसार वाउचर सं० 86 दिनांक 22-1-2002 रोकड़ पृष्ठ 62 पर मानदेय पदाधिकारी वितरण मु० 2,100/- रुपये दर्ज है। परन्तु श्रीमती सुखा देवी व श्री रवि कुमार, पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर न पाए गए जबकि इनके नाम की अदायगी 300/-, 300/- रुपये रोकड़ में दर्ज व्यय राशि 2,100/- रुपये में शामिल है। इस तरह प्रधान ने पंचायत सचिव के साथ मिलकर इस मु० 600/- रुपये का गबन किया है।
2. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 2 (ख) 9 अनुसार वाउचर सं० 43, दिनांक 26-9-2002 के तहत रोकड़ पृष्ठ 77 पर पहचान-पत्र बनाने वाले 6 कर्मचारियों के भोजन का व्यय 1,440/- रुपये डाला गया है। यह व्यय अवैध रूप से किया गया है। इसके लिए प्रधान श्रीमती सलोचना देवी व सचिव पंचायत दोषी हैं।

3. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 2 (ख) 10 अनुसार वाउचर सं० 64, दिनांक 21-11-2002 मस्ट्रोल मुरम्मन पंचायत घर मु० 1,805/- रुपये में परमा नन्द पुत्र बर्फी राम व राम रखा पुत्र थेलिया राम दिनांक 5-11-2002 से 14-11-2002 तक कार्य पर दर्शाये गए हैं यही व्यक्ति वाउचर सं० 60 पर दिनांक 5-11-2002 से 10-11-2002 तक कार्य पर दर्शाये गये हैं। इस तरह इन दोनों व्यक्तियों को एक ही समय में 2 भिन्न-भिन्न कार्यों पर उपस्थित दिखा कर सरकारी धन मु० 1,805/- रुपये का गवन किया है जिसके लिए प्रधान व सचिव पंचायत दोषी हैं।
4. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 2 (ख) 11 अनुसार वर्ष 2001-2002 में राजनकाडों की बिक्री से केवल 520/- रुपये की आय हुई है जबकि व्यय 850/- किया गया था। इस तरह 330/- रुपये की क्षति पंचायत निधि को पहुंचाई है जिसके लिए प्रधान दोषी है।
5. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 8 (1) अनुसार ग्रामीण ढांचे के रखरखाव के तहत निम्न प्रकार से व्यय आला गया है :—

पा० सं०	दिनांक	रोकड़ पृष्ठ	विवरण	
65	8-11-2001	58	10 ट्राली गोला पत्थर टूटे-फूटे रास्ते	6000/-
66	8-11-2001	58	ढुलाई गोला पत्थर	1100/-
66	16-12-2002	84	8 ट्राली बोल्टर पत्थर	3200/-
67	16-12-2002	84	ढुलाई मटीरियल	800/-
68	16-12-2002	—	2 ट्राली बजरी	800/-
योग				11900/-

इस सामान का स्टॉक इन्द्राज नहीं हुआ है न ही कार्य की मूल्यांकन रिपोर्ट मौजूद है। इस व्यय में स्कीम का नाम भी नहीं लिखा है और न ही इसके बजट में कोई प्रावधान था। इस तरह यह व्यय मिथ्या है जिसके लिए प्रधान व सचिव पंचायत दोषी हैं।

6. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 8 (4) (1) अनुसार दिनांक 3-9-2002 को चैक नं० 320470 द्वारा मु० 1,300/- रुपये बैंक खाता से निकाले हैं परन्तु इस राशि का रोकड़ इन्द्राज नहीं हुआ था। राशि का इन्द्राज न करके इसका छलहरण किया गया है जिसके लिए प्रधान व सचिव पंचायत दोषी हैं।
7. अंकेक्षण पत्र के पैरा सं० 8 (5) अनुसार वाउचर सं० 6 व 11 दिनांक 3-9-2002 के तहत 15-15 बैग सिमेंट की अदायगी क्रमशः 2415/-, 2415/- रुपये रोकड़ स्वर्ण जयन्ती रोजगार योजना दर्ज है। वाउचर अनुसार यह राशि प्रधान ने प्राप्त की है जो अनुचित एवं राशि छलहरण का मामला है। प्रधान सीमेंट विक्रेता न थी। इसके लिए भी प्रधान व सचिव पंचायत दोषी हैं।
8. अंकेक्षण पत्र सं० 8 (7) अनुसार ग्राम सभा ने प्रस्ताव सं० 6 दिनांक 7-10-2001 में प्रा० पा० नालहवीं मु० 20,000/- रुपये व धनवीं मु० 12,000 रुपये का कार्य करवाने का शेष 11वां विस्तारयोग में पारित किया था। परन्तु पंचायत प्रधान ने प्रस्ताव संख्या 6 दिनांक

15-12-2001, जो अवैध है, के तहत पंचायत घर की उपरली मंजिल हेतु इस राशि को व्यय किया। यह ग्राम सभा के अधिकार क्षेत्र की उलंघना का मामला है जिसके लिए प्रधान श्रीमती सलोचना देवी दोषी हैं।

9. अंकेक्षण पत्र में दर्ज उक्त वर्णित आपत्तियों बारे ग्राम पंचायत अग्वार का रिकार्ड तलब कर जांचने पर यह पाया गया कि कार्यवाही रजिस्टर में लिख गई कार्यवाही में अन्य प्रस्ताव बाद में जोड़े गए। इस तरह रिकार्ड से छेड़-छाड़ की गई है जिसके लिए प्रधान व सचिव दोषी हैं। विवरण इस प्रकार से है :—

क्र० सं०

1. कार्यवाही दिनांक 1-7-2001 प्रस्ताव सं० 10 ग्राम पंचायत अग्वार में निशान देही देने हेतु।
2. -उक्त- रास्ता की मुरम्मत बारे।

और क्योंकि श्रीमती सलोचना देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत अग्वार के विरुद्ध उक्त आरोपों पर निष्पक्ष रूप से आगामी कार्यवाही करने के लिए उन्हें उनके पद से निलम्बित करना अनिवार्य है।

अतः मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०), हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) तथा हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 142 (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती सलोचना देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत अग्वार, विकास खण्ड भोरन्ज को उनके पद से तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ तथा उन्हें यह आदेश दिया जाता है कि वह अपने पद का कार्यभार उप-प्रधान, ग्राम पंचायत अग्वार को तुरन्त सौंप दें और यदि उनके पास कोई ग्राम पंचायत का रिकार्ड, सम्पत्ति या धन-राशि हो तो उसे पंचायत सचिव के पास सौंप दें।

देवेश कुमार (भा० प्र० से०),
उपायुक्त,
हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)।